E Learning Study Material
By Prof YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY ARA BIHAR

BA PART 1st ECONOMICS HONS
PAPER 1st

Checks on the Growth of Population According to Malthus

जनसंख्या वृद्धि के सम्बन्ध में माल्थस का भविष्य के प्रति निराशावादी दृष्टिकोण था। उनके अनुसार भूतकाल में जनसंख्या वृद्धि के भयावह परिणाम देखने को मिले हैं तथा भविष्य में भी इनकी सम्भावना है। अतः आवश्यकता यह है कि जनसंख्या की वृद्धि की दर में तथा खाद्य सामग्री की वृद्धि की दर में सन्तुलन स्थापित करने के लिए जनसंख्या की वृद्धि दर पर ~~प्रतिबन्ध~~ प्रतिबन्ध लगाया जाय।

जनसंख्या की वृद्धि पर रोक (checks on the Growth of Population) माल्थस के अनुसार जनसंख्या की वृद्धि को रोकने के लिए दो प्रकार के प्रतिबन्ध लगाये जा सकते हैं—

1 प्रतिबंधक अथवा कृत्रिम रोक (Preventive checks) — प्रतिबंधक अथवा कृत्रिम रोक वो उपाय हैं जिनका प्रयोग जनसंख्या पर रोक लगाने के लिए मनुष्य स्वयं अपने विवेक से करता है। कृत्रिम रोक के अन्तर्गत निम्नलिखित तीन उपाय आते हैं—

(i) अधिक उम्र में शादी करना
(ii) संयम तथा ब्रह्मचर्य अथवा नैतिक प्रतिबन्ध
(iii) संतति निग्रह के कृत्रिम तरीकों का प्रयोग

चूंकि माल्थस पादरी थे अतः उन्होंने संतति निग्रह के कृत्रिम उपायों में- अधिक उम्र में शादी तथा विशेषकर संयम एवं ब्रह्मचर्य पर अधिक जोर दिया।

2. प्राकृतिक रोक- बीमारी, अकाल, युद्ध महामारी आदि जनसंख्या की वृद्धि पर प्रकृतिक रोक है। माल्थस के अनुसार यदि मनुष्य ने बढ़ती हुई जनसंख्या को कृत्रिम उपायों से न रोका तो ~~बिमारी~~ बीमारी, अकाल, युद्ध आदि प्राकृतिक आपदाओं से अधिक जनसंख्या स्वयंनष्ट हो जायेगी तथा मानव समाज को अधिक कष्ट उठाने पड़ेंगे। जीवन निर्वाह के साधनों अथवा खाद्य सामग्री की कमी के कारण जन्मदर की तुलना में मृत्युदर अधिक हो जायेगी तथा पुनः जनसंख्या एवं खाद्य सामग्री की मात्रा में संतुलन स्थापित हो जायगा।

चूंकि प्राकृतिक रोक मानव समाज के लिए कष्टकारी होता है अतः माल्थस ने बताया कि इन कष्टों से बचने के लिए मनुष्य को प्रतिबन्धक अथवा कृत्रिम उपायों द्वारा ही बढ़ती हुई जनसंख्या को काबू में रखना चाहिए।

यदि माल्थस ने अपने सिद्धान्त में मानवमात्र के लिए एक चेतावनी दी है तथापि इस सिद्धान्त के विरुद्ध अनेक आलोचनाएं की गयी हैं। इनका प्रमुख कारण यह था कि माल्थस ने मानव के भविष्य का एक निराशावादी चित्र प्रस्तुत किया था। उनके जनसंख्या सम्बन्धी विचार धार्मिक एवं सामाजिक परम्पराओं के विरोधी थे। विलियम गाडविन ने तो इसकी तुलना उस काले तथा भयानक राक्षस से की है जो सदा मानवता की आशाओं पर कुठाराघात करने के लिए तैयार रहता है (the black and terrible domen that is always ready to stifle the hopes of humanity)